

1825 Invention & appraisement of the estate of Leila Turner W. Commdr

taken the 25<sup>th</sup> day of Sept. 1825.

|                                                                                         |             |            |          |
|-----------------------------------------------------------------------------------------|-------------|------------|----------|
| one pair of 35 <sup>th</sup> Iron & steel Churns \$300                                  | Colo. \$300 | same \$300 | 875 00   |
| one Bed & furniture of 25 <sup>th</sup> half doz. window chairs of 9 <sup>th</sup>      |             |            | 24 00    |
| one looking glass 75 <sup>th</sup> half dozen knives forks & spoons                     |             |            | 2 75     |
| one mirror and candles of 2 <sup>nd</sup> class 13 Edge plates 7 <sup>th</sup>          |             |            | 2 75     |
| one dish & pitcher 75 <sup>th</sup> two lamp stands 25 <sup>th</sup>                    |             |            | 1 00     |
| one Coffee pot 25 <sup>th</sup> three trays and a set 50 <sup>th</sup>                  |             |            | 1 75     |
| parcel wooden ware of 1 <sup>st</sup> class one iron table 50 <sup>th</sup>             |             |            | 1 50     |
| one iron chest of 2 <sup>nd</sup> class one iron safe 50 <sup>th</sup>                  |             |            | 2 50     |
| one plate 13 <sup>th</sup> one set of iron & steel 13 <sup>th</sup> of 13 <sup>th</sup> |             |            | 1 63     |
| one Iron Kettle 75 <sup>th</sup> one iron dish 75 <sup>th</sup> 00                      |             |            | 2 75     |
| one silver watch of 25 <sup>th</sup> one set of jewelry of 5 <sup>th</sup>              |             |            | 30 00    |
| Two Trunks of 1 <sup>st</sup> class one of 1 <sup>st</sup> class 75 <sup>th</sup>       |             |            | 14 00    |
| one Trunk                                                                               |             |            | 2 50     |
| 2 Fish nets                                                                             |             |            | 1 35     |
|                                                                                         |             |            | \$972 88 |

This day personally appeared before me Joseph Turner George Dwyer and Henry Harris & were duly qualified before my office as above directed. Given under my hand and seal the 18<sup>th</sup> April 1825

Wm. L. Everett Esq

Southampton County December Court 1825 Third Inventory & appraisement of the estate of Leila Turner W. Commdr & was this day returned to court & is on file to be recorded

Filed James Rockwell Esq

Southampton County July Court 1825

Ordered that Joseph Griffin examine and settle an account of John Ficks administration account on the estate of Stephen Griffin deceased and make report thereof to the Court

A Copy of P. R. Edwards Esq

The estate of John Ficks

In account with John Ficks administrator

P. C. Esq

| 1826 |  | 1827 |  | 1828 |  | 1829 |  | 1830 |  | 1831 |  | 1832 |  | 1833 |  | 1834 |  | 1835 |  | 1836 |  | 1837 |  | 1838 |  | 1839 |  | 1840 |  | 1841 |  | 1842 |  | 1843 |  | 1844 |  | 1845 |  | 1846 |  | 1847 |  | 1848 |  | 1849 |  | 1850 |  | 1851 |  | 1852 |  | 1853 |  | 1854 |  | 1855 |  | 1856 |  | 1857 |  | 1858 |  | 1859 |  | 1860 |  | 1861 |  | 1862 |  | 1863 |  | 1864 |  | 1865 |  | 1866 |  | 1867 |  | 1868 |  | 1869 |  | 1870 |  | 1871 |  | 1872 |  | 1873 |  | 1874 |  | 1875 |  | 1876 |  | 1877 |  | 1878 |  | 1879 |  | 1880 |  | 1881 |  | 1882 |  | 1883 |  | 1884 |  | 1885 |  | 1886 |  | 1887 |  | 1888 |  | 1889 |  | 1890 |  | 1891 |  | 1892 |  | 1893 |  | 1894 |  | 1895 |  | 1896 |  | 1897 |  | 1898 |  | 1899 |  | 1900 |  | 1901 |  | 1902 |  | 1903 |  | 1904 |  | 1905 |  | 1906 |  | 1907 |  | 1908 |  | 1909 |  | 1910 |  | 1911 |  | 1912 |  | 1913 |  | 1914 |  | 1915 |  | 1916 |  | 1917 |  | 1918 |  | 1919 |  | 1920 |  | 1921 |  | 1922 |  | 1923 |  | 1924 |  | 1925 |  | 1926 |  | 1927 |  | 1928 |  | 1929 |  | 1930 |  | 1931 |  | 1932 |  | 1933 |  | 1934 |  | 1935 |  | 1936 |  | 1937 |  | 1938 |  | 1939 |  | 1940 |  | 1941 |  | 1942 |  | 1943 |  | 1944 |  | 1945 |  | 1946 |  | 1947 |  | 1948 |  | 1949 |  | 1950 |  | 1951 |  | 1952 |  | 1953 |  | 1954 |  | 1955 |  | 1956 |  | 1957 |  | 1958 |  | 1959 |  | 1960 |  | 1961 |  | 1962 |  | 1963 |  | 1964 |  | 1965 |  | 1966 |  | 1967 |  | 1968 |  | 1969 |  | 1970 |  | 1971 |  | 1972 |  | 1973 |  | 1974 |  | 1975 |  | 1976 |  | 1977 |  | 1978 |  | 1979 |  | 1980 |  | 1981 |  | 1982 |  | 1983 |  | 1984 |  | 1985 |  | 1986 |  | 1987 |  | 1988 |  | 1989 |  | 1990 |  | 1991 |  | 1992 |  | 1993 |  | 1994 |  | 1995 |  | 1996 |  | 1997 |  | 1998 |  | 1999 |  | 2000 |  | 2001 |  | 2002 |  | 2003 |  | 2004 |  | 2005 |  | 2006 |  | 2007 |  | 2008 |  | 2009 |  | 2010 |  | 2011 |  | 2012 |  | 2013 |  | 2014 |  | 2015 |  | 2016 |  | 2017 |  | 2018 |  | 2019 |  | 2020 |  | 2021 |  | 2022 |  | 2023 |  | 2024 |  | 2025 |  | 2026 |  | 2027 |  | 2028 |  | 2029 |  | 2030 |  | 2031 |  | 2032 |  | 2033 |  | 2034 |  | 2035 |  | 2036 |  | 2037 |  | 2038 |  | 2039 |  | 2040 |  | 2041 |  | 2042 |  | 2043 |  | 2044 |  | 2045 |  | 2046 |  | 2047 |  | 2048 |  | 2049 |  | 2050 |  | 2051 |  | 2052 |  | 2053 |  | 2054 |  | 2055 |  | 2056 |  | 2057 |  | 2058 |  | 2059 |  | 2060 |  | 2061 |  | 2062 |  | 2063 |  | 2064 |  | 2065 |  | 2066 |  | 2067 |  | 2068 |  | 2069 |  | 2070 |  | 2071 |  | 2072 |  | 2073 |  | 2074 |  | 2075 |  | 2076 |  | 2077 |  | 2078 |  | 2079 |  | 2080 |  | 2081 |  | 2082 |  | 2083 |  | 2084 |  | 2085 |  | 2086 |  | 2087 |  | 2088 |  | 2089 |  | 2090 |  | 2091 |  | 2092 |  | 2093 |  | 2094 |  | 2095 |  | 2096 |  | 2097 |  | 2098 |  | 2099 |  | 2100 |  | 2101 |  | 2102 |  | 2103 |  | 2104 |  | 2105 |  | 2106 |  | 2107 |  | 2108 |  | 2109 |  | 2110 |  | 2111 |  | 2112 |  | 2113 |  | 2114 |  | 2115 |  | 2116 |  | 2117 |  | 2118 |  | 2119 |  | 2120 |  | 2121 |  | 2122 |  | 2123 |  | 2124 |  | 2125 |  | 2126 |  | 2127 |  | 2128 |  | 2129 |  | 2130 |  | 2131 |  | 2132 |  | 2133 |  | 2134 |  | 2135 |  | 2136 |  | 2137 |  | 2138 |  | 2139 |  | 2140 |  | 2141 |  | 2142 |  | 2143 |  | 2144 |  | 2145 |  | 2146 |  | 2147 |  | 2148 |  | 2149 |  | 2150 |  | 2151 |  | 2152 |  | 2153 |  | 2154 |  | 2155 |  | 2156 |  | 2157 |  | 2158 |  | 2159 |  | 2160 |  | 2161 |  | 2162 |  | 2163 |  | 2164 |  | 2165 |  | 2166 |  | 2167 |  | 2168 |  | 2169 |  | 2170 |  | 2171 |  | 2172 |  | 2173 |  | 2174 |  | 2175 |  | 2176 |  | 2177 |  | 2178 |  | 2179 |  | 2180 |  | 2181 |  | 2182 |  | 2183 |  | 2184 |  | 2185 |  | 2186 |  | 2187 |  | 2188 |  | 2189 |  | 2190 |  | 2191 |  | 2192 |  | 2193 |  | 2194 |  | 2195 |  | 2196 |  | 2197 |  | 2198 |  | 2199 |  | 2200 |  | 2201 |  | 2202 |  | 2203 |  | 2204 |  | 2205 |  | 2206 |  | 2207 |  | 2208 |  | 2209 |  | 2210 |  | 2211 |  | 2212 |  | 2213 |  | 2214 |  | 2215 |  | 2216 |  | 2217 |  | 2218 |  | 2219 |  | 2220 |  | 2221 |  | 2222 |  | 2223 |  | 2224 |  | 2225 |  | 2226 |  | 2227 |  | 2228 |  | 2229 |  | 2230 |  | 2231 |  | 2232 |  | 2233 |  | 2234 |  | 2235 |  | 2236 |  | 2237 |  | 2238 |  | 2239 |  | 2240 |  | 2241 |  | 2242 |  | 2243 |  | 2244 |  | 2245 |  | 2246 |  | 2247 |  | 2248 |  | 2249 |  | 2250 |  | 2251 |  | 2252 |  | 2253 |  | 2254 |  | 2255 |  | 2256 |  | 2257 |  | 2258 |  | 2259 |  | 2260 |  | 2261 |  | 2262 |  | 2263 |  | 2264 |  | 2265 |  | 2266 |  | 2267 |  | 2268 |  | 2269 |  | 2270 |  | 2271 |  | 2272 |  | 2273 |  | 2274 |  | 2275 |  | 2276 |  | 2277 |  | 2278 |  | 2279 |  | 2280 |  | 2281 |  | 2282 |  | 2283 |  | 2284 |  | 2285 |  | 2286 |  | 2287 |  | 2288 |  | 2289 |  | 2290 |  | 2291 |  | 2292 |  | 2293 |  | 2294 |  | 2295 |  | 2296 |  | 2297 |  | 2298 |  | 2299 |  | 2300 |  | 2301 |  | 2302 |  | 2303 |  | 2304 |  | 2305 |  | 2306 |  | 2307 |  | 2308 |  | 2309 |  | 2310 |  | 2311 |  | 2312 |  | 2313 |  | 2314 |  | 2315 |  | 2316 |  | 2317 |  | 2318 |  | 2319 |  | 2320 |  | 2321 |  | 2322 |  | 2323 |  | 2324 |  | 2325 |  | 2326 |  | 2327 |  | 2328 |  | 2329 |  | 2330 |  | 2331 |  | 2332 |  | 2333 |  | 2334 |  | 2335 |  | 2336 |  | 2337 |  | 2338 |  | 2339 |  | 2340 |  | 2341 |  | 2342 |  | 2343 |  | 2344 |  | 2345 |  | 2346 |  | 2347 |  | 2348 |  | 2349 |  | 2350 |  | 2351 |  | 2352 |  | 2353 |  | 2354 |  | 2355 |  | 2356 |  | 2357 |  | 2358 |  | 2359 |  | 2360 |  | 2361 |  | 2362 |  | 2363 |  | 2364 |  | 2365 |  | 2366 |  | 2367 |  | 2368 |  | 2369 |  | 2370 |  | 2371 |  | 2372 |  | 2373 |  | 2374 |  | 2375 |  | 2376 |  | 2377 |  | 2378 |  | 2379 |  | 2380 |  | 2381 |  | 2382 |  | 2383 |  | 2384 |  | 2385 |  | 2386 |  | 2387 |  | 2388 |  | 2389 |  | 2390 |  | 2391 |  | 2392 |  | 2393 |  | 2394 |  | 2395 |  | 2396 |  | 2397 |  | 2398 |  | 2399 |  | 2400 |  | 2401 |  | 2402 |  | 2403 |  | 2404 |  | 2405 |  | 2406 |  | 2407 |  | 2408 |  | 2409 |  | 2410 |  | 2411 |  | 2412 |  | 2413 |  | 2414 |  | 2415 |  | 2416 |  | 2417 |  | 2418 |  | 2419 |  | 2420 |  | 2421 |  | 2422 |  | 2423 |  | 2424 |  | 2425 |  | 2426 |  | 2427 |  | 2428 |  | 2429 |  | 2430 |  | 2431 |  | 2432 |  | 2433 |  | 2434 |  | 2435 |  | 2436 |  | 2437 |  | 2438 |  | 2439 |  | 2440 |  | 2441 |  | 2442 |  | 2443 |  | 2444 |  | 2445 |  | 2446 |  | 2447 |  | 2448 |  | 2449 |  | 2450 |  | 2451 |  | 2452 |  | 2453 |  | 2454 |  | 2455 |  | 2456 |  | 2457 |  | 2458 |  | 2459 |  | 2460 |  | 2461 |  | 2462 |  | 2463 |  | 2464 |  | 2465 |  | 2466 |  | 2467 |  | 2468 |  | 2469 |  | 2470 |  | 2471 |  | 2472 |  | 2473 |  | 2474 |  | 2475 |  | 2476 |  | 2477 |  | 2478 |  | 2479 |  | 2480 |  | 2481 |  | 2482 |  | 2483 |  | 2484 |  | 2485 |  | 2486 |  | 2487 |  | 2488 |  | 2489 |  | 2490 |  | 2491 |  | 2492 |  | 2493 |  | 2494 |  | 2495 |  | 2496 |  | 2497 |  | 2498 |  | 2499 |  | 2500 |  | 2501 |  | 2502 |  | 2503 |  | 2504 |  | 2505 |  | 2506 |  | 2507 |  | 2508 |  | 2509 |  | 2510 |  | 2511 |  | 2512 |  | 2513 |  | 2514 |  | 2515 |  | 2516 |  | 2517 |  | 2518 |  | 2519 |  | 2520 |  | 2521 |  | 2522 |  | 2523 |  | 2524 |  | 2525 |  | 2526 |  | 2527 |  | 2528 |  | 2529 |  | 2530 |  | 2531 |  | 2532 |  | 2533 |  | 2534 |  | 2535 |  | 2536 |  | 2537 |  | 2538 |  | 2539 |  | 2540 |  | 2541 |  | 2542 |  | 2543 |  | 2544 |  | 2545 |  | 2546 |  | 2547 |  | 2548 |  | 2549 |  | 2550 |  | 2551 |  | 2552 |  | 2553 |  | 2554 |  | 2555 |  | 2556 |  | 2557 |  | 2558 |  | 2559 |  | 2560 |  | 2561 |  | 2562 |  | 2563 |  | 2564 |  | 2565 |  | 2566 |  | 2567 |  | 2568 |  | 2569 |  | 2570 |  | 2571 |  | 2572 |  | 2573 |  | 2574 |  | 2575 |  | 2576 |  | 2577 |  | 2578 |  | 2579 |  | 2580 |  | 2581 |  | 2582 |  | 2583 |  | 2584 |  | 2585 |  | 2586 |  | 2587 |  | 2588 |  | 2589 |  | 2590 |  | 2591 |  | 2592 |  | 2593 |  | 2594 |  | 2595 |  | 2596 |  | 2597 |  | 2598 |  | 2599 |  | 2600 |  | 2601 |  | 2602 |  | 2603 |  | 2604 |  | 2605 |  | 2606 |  | 2607 |  | 2608 |  | 2609 |  | 2610 |  | 2611 |  | 2612 |  | 2613 |  | 2614 |  | 2615 |  | 2616 |  | 2617 |  | 2618 |  | 2619 |  | 2620 |  | 2621 |  | 2622 |  | 2623 |  | 2624 |  | 2625 |  | 2626 |  | 2627 |  | 2628 |  | 2629 |  | 2630 |  | 2631 |  | 2632 |  | 2633 |  | 2634 |  | 2635 |  | 2636 |  | 2637 |  | 2638 |  | 2639 |  | 2640 |  | 2641 |  | 2642 |  | 2643 |  | 2644 |  | 2645 |  | 2646 |  | 2647 |  | 2648 |  | 2649 |  | 2650 |  | 2651 |  | 2652 |  | 2653 |  | 2654 |  | 2655 |  | 2656 |  | 2657 |  | 2658 |  | 2659 |  | 2660 |  | 2661 |  | 2662 |  | 2663 |  | 2664 |  | 2665 |  | 2666 |  | 2667 |  | 2668 |  | 2669 |  | 2670 |  | 2671 |  | 2672 |  | 2673 |  | 2674 |  | 2675 |  | 2676 |  | 2677 |  | 2678 |  | 2679 |  | 2680 |  | 2681 |  | 2682 |  | 2683 |  | 2684 |  | 2685 |  | 2686 |  | 2687 |  | 2688 |  | 2689 |  | 2690 |  | 2691 |  | 2692 |  | 2693 |  | 2694 |  | 2695 |  | 2696 |  | 2697 |  | 2698 |  | 2699 |  | 2700 |  | 2701 |  | 2702 |  | 2703 |  | 2704 |  | 2705 |  | 2706 |  | 2707 |  | 2708 |  | 2709 |  | 2710 |  | 2711 |  | 2712 |  | 2713 |  | 2714 |  | 2715 |  | 2716 |  | 2717 |  | 2718 |  | 2719 |  | 2720 |  | 2721 |  | 2722 |  | 2723 |  | 2724 |  | 2725 |  | 2726 |  | 2727 |  | 2728 |  | 2729 |  | 2730 |  | 2731 |  | 2732 |  | 2733 |  | 2734 |  | 2735 |  | 2736 |  | 2737 |  | 2738 |  | 2739 |  | 2740 |  | 2741 |  | 2742 |  | 2743 |  | 2744 |  | 2745 |  | 2746 |  | 2747 |  | 2748 |  | 2749 |  | 2750 |  | 2751 |  | 2752 |  | 2753 |  | 2754 |  | 2755 |  | 2756 |  | 2757 |  | 2758 |  | 2759 |  | 2760 |  | 2761 |  | 2762 |  | 2763 |  | 2764 |  | 2765 |  | 2766 |  | 2767 |  | 2768 |  | 2769 |  | 2770 |  | 2771 |  | 2772 |  | 2773 |  | 2774 |  | 2775 |  | 2776 |  | 2777 |  | 2778 |  | 2779 |  | 2780 |  | 2781 |  | 2782 |  | 2783 |  | 2784 |  | 2785 |  | 2786 |  | 2787 |  | 2788 |  | 2789 |  | 2790 |  | 2791 |  | 2792 |  | 2793 |  | 2794 |  | 2795 |  | 2796 |  | 2797 |  | 2798 |  | 2799 |  | 2800 |  | 2801 |  | 2802 |  | 2803 |  | 2804 |  | 2805 |  | 2806 |  | 2807 |  | 2808 |  | 2809 |  | 2810 |  | 2811 |  | 2812 |  | 2813 |  | 2814 |  | 2815 |  | 2816 |  | 2817 |  | 2818 |  | 2819 |  | 2820 |  | 2821 |  | 2822 |  | 2823 |  | 2824 |  | 2825 |  | 2826 |  | 2827 |  | 2828 |  | 2829 |  | 2830 |  | 2831 |  | 2832 |  | 2833 |  | 2834 |  | 2835 |  | 2836 |  | 2837 |  | 2838 |  | 2839 |  | 2840 |  | 2841 |  | 2842 |  | 2843 |  | 2844 |  | 2845 |  | 2846 |  | 2847 |  | 2848 |  | 2849 |  | 2850 |  | 2851 |  | 2852 |  | 2853 |  | 2854 |  | 2855 |  | 2856 |  | 285 |  |
|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|-----|--|
|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|-----|--|